शिखर 2

पाठ 5. स्वच्छ बने देश हमारा

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है। यह कविता देश-प्रेम की सीख देती है।

कविता का सारांश

हमारा देश स्वच्छ बने इसलिए आओ मिलकर हम सफ़ाई करें। इसी में हम सबकी भलाई है। हमें कूड़ा-कचरा नहीं फैलाना चाहिए। कूड़ा-कचरा न फैलाने से बीमारियाँ नहीं फैलतीं। हम पेड़-पौधे लगाकर विषैली हवा को दूर भगा सकते हैं। पर्यावरण को स्वच्छ बनाकर हम अपने जीवन को सुखी और स्वस्थ बना सकते हैं। आओ मिलकर यह प्रण करें कि हम अपने देश को स्वच्छ बनाएँगे।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पूर्व बच्चों से 'स्वच्छता अभियान' के बारे में चर्चा करें। उन्हें पर्यावरण की महत्ता समझाएँ। कविता के मुख्य शब्दों पर बल देते हुए लय में वाचन करवाएँ।
बच्चों से पूछें और समझाएँ–

- जब वे अपने आस-पास गंदगी देखते हैं तो उनके मन में क्या भाव जाग्रत होते हैं?
- उनसे पूछें कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में वे अपना योगदान किस प्रकार दे सकते हैं?
- कविता में आए तुक मिलाते शब्दों की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करें।
- कविता में प्रयुक्त संयुक्ताक्षरों को छाँटने को कहें।
- बच्चों को पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।
- कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।